आउटकम बजट 2021–22

जलागम प्रबन्ध निदेशालय

(धनराशि लाख रुपये में)

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउटले/बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	1.4.2020 की स्थिति (भौतिक)	2020–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट पुट वर्ष 2021 –22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2021 –22	समय सीमा
		राजस्व	पूँ						
1	2	3	4	0	5	6	7	8	9
विश्व बैंक वित्त पोषित उत्तराखण्ड विकेन्द्रीकृत जलागम विकास परियोजना	परियोजना के चयनित सूक्ष्म जलागम क्षेत्र में समुदायों की भागीदारी द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और वर्षा आधारित कृषि की उत्पादक क्षमता बढ़ाना।	14067.63	00	**1.गरीबी उन्मूलन** 1.4 सभी पुरूषों व महिलाओं सहित गरीबों व कमजोरों को आर्थिक संसाधनों में समान अधिकार, मूलभूत सेवायें, भूमि, सम्पति, विरासत, प्राकृतिक संसाधन व नई प्रौद्योगिकी व वित्तीय सेवाओं से जोड़ना।	48000 परिवार परियोजना कार्याक्रमों से लाभान्वित	14000 परिवार परियोजना कार्याक्रमों से लाभान्वित	527 ग्राम पंचायत जलागम विकास योजनाओं का क्रियान्वयन	8750 परिवार परियोजना कार्याक्रमों से लाभान्वित	0–3 वर्ष
					8587 निर्बल परिवार आय अर्जक गतिविधियों से लाभान्वित जिसमें 40 प्रतिशत महिलायें	2835 निर्बल परिवार आय अर्जक गतिविधियों से लाभान्वित जिसमें 40 प्रतिशत महिलायें	समाजिक कोष से 1580 निर्बल वर्ग के व्यक्तियों व निर्बल वर्ग के 220 समूहों को आय अर्जक गतिविधियों हेतु आर्थिक सहायता	3680 निर्बल परिवार आय अर्जक गतिविधियों से लाभान्वित जिसमें 40 प्रतिशत महिलायें	1 वर्ष
				2.भुखमरी से मुक्ति 2.3.16. Additional potential creation under irrigation सिंचाई के अन्तर्गत अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजन	7090 हे0 सिचन क्षेत्र में सकल वृद्धि	1580 हे0 सिचन क्षेत्र में सकल वृद्धि	130 कि.मी. सिंचाई गूल मरम्मत व सिंचाई पाईप लाईन की स्थापना तथा 12380 घन मी0 अतिरिक्त जल संग्रहण हेतु विभिन्न जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण	1027 हे0 सिचन क्षेत्र में सकल वृद्धि से उच्च मूल्य फसलों तथा बेमौसमी सब्जी उत्पादन तथा फसल उत्पादन में वृद्धि से कृषकों की आय में वृद्धि	0–1 वर्ष
				2.4– 2030 तक सतत खाद्य उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित करना और लचीली कृषि पद्धति को कार्यान्वित करना जो उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि करे जिससे परिस्थितिकीयता बनी रहे ताकि मौसम परिवर्तन, प्रतिकूल वातावरण, सूखा, बाढ़ और अन्य आपदाओं को सहन करने में सक्षम हो और इससे भूमि और मृदा की गुणवत्ता में सुधार होगा।	1954 हे0 परती भूमि का कृषि एवं औद्यानिक कार्यो में उपयोग	576 हे0 परती भूमि का कृषि एवं औद्यानिक कार्यो में उपयोग	680 हे0 परती भूमि में उद्यान स्थापना व उच्च मूल्य फसलों का उत्पादन	680 हे0 परती भूमि का कृषि एवं औद्यानिक कार्यो में उपयोग	0–4 वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउटले/ बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	1.4.2020 की स्थिति (भौतिक)	2020–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट पुट वर्ष 2021 –22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2021 –22	समय सीमा
		राजस्व	पूँ						
1	2	3	4	0	5	6	7	8	9
				5.लैंगिक समानता 5.5– राजनैतिक, आर्थिक और लोक–जीवन में निर्णय लेने के सभी स्तरों पर महिलाओं के लिए नेतृत्व के समान अवसर तक पूर्ण और कारगर सहभागिता सुनिश्चित करना।	1098 महिलायें जिन्हें महिला प्रेरक के रूप में संगठित किया गया।	1098 महिलायें जिन्हें महिला प्रेरक के रूप में संगठित किया गया।	1098 महिला प्रेरक द्वारा सामाजिक संचेतना का कार्य	योजना के निर्माण व कार्यान्वयन में महिलाओं की पूर्ण सहभागिता।	0–1
				6.स्वच्छ जल एवं साफ सफाई 6.6– 2020 तक पर्वतों, वनों, आर्द्र–भूमि, नदियों, जलदायी स्तरों और झीलों सहित संबंधी पारितंों का संरक्षण और पुनरूद्धार करना।	1485 जल निकायों/ जल स्रोतों का उपचार प्रगति पर इन जल स्रोतों के जल उत्सर्जन में 22 से 27 प्रतिशत वृद्धि	1485 जल निकायों/ जल स्रोतों का उपचार जल स्रोतों के जल उत्सर्जन में 22 से 30 प्रतिशत वृद्धि	970 चाल–खाल,, तालाब, निर्मित/पुनरोद्धार, 14500 रिचार्ज पिट व 35000 खन्तियों का निर्माण वानस्पतिक आच्छदन।	परियोजना में लक्षित 1830 जल निकायों/ जल स्रोतों का उपचार जल स्रोतों के जल उत्सर्जन में 15 से 33 प्रतिशत वृद्धि	1–3 वर्ष
				15.थलीय जीवों की सुरक्षा 15.3– 2030 तक मरूस्थलीकरण को रोकना, मरूस्थलीकरण, सूखा और बाढ़ से प्रभावित भूमि सहित अवक्रमित भूमि तथा मृदा का पुनरूद्धार करना और भूमि–अवक्रमण–निष्पक्ष विश्व को हासिल करने के लिए प्रयास करना।	82 सूक्ष्म जलागम में उपचार कार्य गतिमान 66 प्रतिशत क्षेत्र उपचारित	82 सूक्ष्म जलागम में उपचार कार्य प्रगति 17 प्रतिशत क्षेत्र उपचारित	82 सूक्ष्म जलागम में जलागम उपचार के विविध कार्यक्रमों का कार्यान्वयन	82 सूक्ष्म जलागम का 17 प्रतिशत उपचारित	1– 3 वर्ष
					9633 हे0 वानस्पतिक आच्दादन में वृद्धि	756 हे0 वानस्पतिक आच्दादन में वृद्धि	वानिकी रोपण, उद्यान स्थापना तथा चारा विकास	710 हे0 वानस्पतिक आच्दादन में वृद्धि	0–3 वर्ष
					598 हजार घन मी0 मिट्टी संरक्षित	173 हजार घन मी0 मिट्टी संरक्षित	120700 धन0मी0 भूमि संरक्षण संरचनाओं का निर्माण,	130 हजार घन मी0 मिट्टी संरक्षित	0–1 वर्ष
					778 है0 भूमि की उपजाउ मिट्टी संरक्षित	95 है0 भूमि की उपजाउ मिट्टी संरक्षित	585 रनिंग कि0मी0 मेंढों में नैपियर घार रोपण व 3820 घन मी0 कृषि टैरेस रिपेयर,	80 है0 भूमि की उपजाउ मिट्टी संरक्षित	
					3553 है0 क्षेत्र में नवीन कृषि तकनीकी व बीजों का अंगीकरण, कृषि उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत वृद्धि	3553 है0 क्षेत्र में नवीन कृषि तकनीकी व बीजों का अंगीकरण, कृषि उत्पादन में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि	590 हे0 उच्च उत्पादकता फसल क्षेत्र प्रदर्शन 850 हे0 एडप्सन सपोर्ट	कृषि उत्पादन में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि – कृषकों के आय में 70 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि	1 वर्ष
							100 हे0 में उच्च उत्पादकता सब्जी प्रजाति का प्रदर्शन		

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउटले / बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	1.4.2020 की स्थिति (भौतिक)	2020–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट पुट वर्ष 2021 –22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2021 –22	समय सीमा
		राजस्व	पूँ						
1	2	3	4	0	5	6	7	8	9
					16198 कृषक 1441 इच्छुक कृषक समूह में संगठित व 16 कृषक संगठन संगठित	क्रमिक कुल 21 फार्मर फैडरेशन, व 1441 एफआई.जी के अन्तर्गत 16557 कृषक संगठित व 8 ग्रोथ सैन्टर की स्थापना	कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण पैकेजिंग व विपणन हेतु स्थापित 8 ग्रोथ सैन्टर का सुदृढीकरण व 2 नये ग्रोथ सैन्टर की स्थापना।		
					37069 मी0 टन प्रतिवर्ष चारा उत्पादन वृद्धि	5905 मी0 टन प्रतिवर्ष अतिरिक्त चारा उत्पादन वृद्धि	51 हे0 चारागाह विकास 180 हे0 कृषि खेतों में चारा उत्पादन 58.4 हे0 नैपियर घास रोपण 160 हे0 वानिकी वृक्षारोपण	लगभग 7420 मी0 टन प्रति वर्ष अतिरिक्त चारा उत्पादन	0–2 वर्ष
केन्द्र पोषित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना–जलागम विकास योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबन्ध कर ग्रामीण क्षेत्रों की उत्पादन क्षमता बढाना है।		703.50	00	**1.गरीबी उन्मूलन** 1.4– 2030 तक यह सुनिश्चित करना कि सभी पुरूष और महिलाओं विशेष रूप से गरीब और कमजोर को आर्थिक संसाधनों के समान अधिकारों के साथ–साथ मूलभूत सेवाएं, भूमि तथा सम्पत्ति के अन्य रूपों, विरासत,प्राकृतिक संसाधन, उपयुक्त नई प्रौद्योगिकी और माइक्रोफाइनांस सहित वित्तीय सेवाओं को स्वामित्व और नियंत्रण प्राप्त हो।	5316 निर्बल परिवार आय अर्जक गतिविधियों से लाभान्वित।	आय अर्जक गतिविधियों द्वारा 1800 निर्बल वर्ग व्यक्ति लाभान्वित।	0	0	
				2.स्वच्छ जल एवं साफ सफाई 6.6– 2020 तक पर्वतों, वनों, आर्द्र–भूमि, नदियों, जलदायी स्तरों और झीलों सहित संबंधी पारितों का संरक्षण और पुनरूद्धार करना।	1722 जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण एवं जीर्णोद्वार जिसके द्वारा 8956 घ0मी0 जल संग्रहण क्षमता में	741 जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण एवं जीर्णोद्वार जिसके द्वारा 1452 घ0मी0 जल संग्रहण क्षमता में	0	0	

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउटले / बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	1.4.2020 की स्थिति (भौतिक)	2020–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट पुट वर्ष 2021 –22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2021 –22	समय सीमा
		राजस्व	पूँ						
1	2	3	4	0	5	6	7	8	9
					वृद्वि।	वृद्वि।			
				15.थलीय जीवों की सुरक्षा 15.3– 2030 तक मरूस्थलीकरण को रोकना, मरूस्थलीकरण, सूखा और बाढ़ से प्रभावित भूमि सहित अवक्रमित भूमि तथा मृदा का पुनरूद्धार करना और भूमि–अवक्रमण–निष्पक्ष विश्व को हासिल करने के लिए प्रयास करना।	47 सूक्ष्म जलागम में उपचार कार्य गतिमान 25 प्रतिषत क्षेत्र उपचारित	47 सूक्ष्म जलागम में उपचार कार्य गतिमान 5 प्रतिषत क्षेत्र उपचारित	0	0	
					57 हे0 वृक्षारोपण एवं चारा विकास कार्यक्रम द्वारा वानस्पतिक आच्छादन में वृद्धि	2 हे0 वृक्षारोपण एवं चारा विकास कार्यक्रम द्वारा वानस्पतिक आच्छादन में वृद्धि	0	0	
					445 हे0 क्षेत्रफल में उच्च उत्पादकता कृषि फसल, उच्च उत्पादक सब्जी प्रजाति एवं मसालों का उत्पादन।	81 हे0 क्षेत्रफल में उच्च उत्पादकता कृषि फसल, उच्च उत्पादक सब्जी प्रजाति एवं मसालों का उत्पादन।	0	0	

केन्द्रपोषित् प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना–जलागम विकास के अन्तर्गत परियोजना प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार को स्वीकृत हेतु प्रेषित किया जाना है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में परियोजना की डी0पी0आर0 का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

सतत् विकास लक्ष्य

Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF) में विभाग का कोई भी सतत् विकास लक्ष्य इंगित नहीं है।